

## पद १७

(रागः केदार - तालः दादरा)

हे प्रभो दयानिधे नी नमगे पालिसू। ज्ञान हीन नम्म मतिगे बेळकु  
काणिसू॥ध्रु॥ नानु-नीनु अवळु-अवनु यारु यम्बुदु। हेगे एनो  
याके यंदु एनु तिळियदू॥१॥ योग लेसो ध्यान लेसो भक्ति लेसवो।  
हीन दीन मन्द मतिगे एनु तोचदू॥२॥ एनु तत्वज्ञान एनु वेद  
वाक्यवू। नीति-कर्म जाति-धर्म एनु अरियेदू॥३॥ नोडी नोडदे  
कंडु काणदे सुळळु नुडियदू। दैवजात कलिय काट हेगे  
सहिसदू॥४॥ नाल्कु दिक्कु दिगिलु हेच्चु हेगे तडेयदू। सिद्धनागी  
दारि तोरो पारवागोदू॥५॥